# Subject - C-6 Gender School & Society



18 thu
## Topic :- Issues of Masculinity and Feminity
## पुरुषत्व तथा स्त्रीत्व के मुद्दे

बालक तथा बालिकायें ही भविष्य में जाकर पुरुष तथा स्त्रियाँ बनते हैं। पुरुष तथा स्त्री दोनों जेण्डर मिलकर ही किसी समाज का निर्माण करते हैं। यह दोनों ही एक गाड़ी के दो पहिये माने जाते हैं। जीवन रूपी गाड़ी चलाने के लिए इन दोनों ही जेण्डर के व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। जीवन की सकारात्मक उन्नति तथा समृद्धि के लिए इन दोनों ही जेण्डरों का न केवल शिक्षित होना ही
19 fri
आवश्यक है बल्कि जीवन की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये सामंजस्य स्थापित करना भी आवश्यक है।

पुरुषत्व तथा स्त्रीत्व का उनके कार्यों के अनुसार विशिष्टीकरण कर दिया गया है। समाज में दोनों की भूमिका का विभाजन हो गया है। दोनों की भूमिका में भिन्नता देखी जाती है। समाज में लिंग विशिष्टीकरण के अनुसार पुरुषों को आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया गया है। उन्हें परिवार की सर्वेसर्वा की स्थिति प्रदान की गयी है। धन, सम्पत्ति तथा सत्ता 21 sun पुरुषों के हाथों में निहित होती है।
20 sat
महिला को तो सदैव पराये घर का माना जाता है। यह भाव बचपन से ही उसके मन में डाले जाते हैं।

## घर तथा समाज में पुरुष लिंग की भूमिका :-

घर तथा समाज में पुरुष को घर का मुखिया माना जाता है। परिवार की उसी के नाम से पहचान होती है। मुखिया के निर्देशों तथा आदेशों का पालन करना परिवार के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य माना जाता है।

Notes पुरुष घर में निम्न प्रकार की भूमिकाओं का वहन करता है :—

(i) पुरुष पिता के रूप में :— परिवार

| Sun | Mon | Tue | Wed | Thu | Fri | Sat |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1 | 2 | 3 |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
| 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
| 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | |

September 2005

P.T.O

Scanned with CamScanner

22 mon

में पुरुष का पिता के रूप में सबसे अधिक महत्व माना जाता है। वह परिवार की एकता को बनाये रखता है। वह परिवार के सभी सदस्यों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करता है। पिता परिवार में पुत्रों को अधिक प्राथमिकता देता है, क्योंकि उसे ऐसा प्रतीत होता है कि वे घरेलू दायित्वों को निभाने में उसका सहयोग करेंगे। परिवार में सभी महत्वपूर्ण कार्य पिता के अनुमति से होते हैं। परिवार में सभी बच्चों को एक दृष्टि से देखना, लिंगभेद न करना, सभी को एक समान शिक्षा का अवसर प्रदान करना तथा परिवार की आर्थिक

23 tue

आवश्यकताओं की पूर्ति करना ही पिता को परिवार में सम्मान का पात्र बनाता है।

(ii) पुरुष पति के रूप में: भारतीय समाज में पति एक शासक के रूप में पत्नी के साथ व्यवहार करता है। महिलाओं ने भी अपने पतियों को ईश्वर तुल्य स्थान दिया है। पति का दायित्व बनता है कि वह पत्नी को अर्धांगिनी समझे। उसके साथ हिंसक व्यवहार न करे।

(iii) पुरुष पुत्र के रूप में: पुरुष प्रधान समाज में सम्पत्ति पिता से पुत्र को हस्तान्तरित होती है। पुत्र के रूप में

24 wed

पुरुष घर की सम्पत्ति पर अपना एकाधिकार समझता है। वह अपने पिता की भाँति ही बहनों को वैवाहिक बन्धन में बाँध देना अपना दायित्व समझता है। पुत्र का यह भी दायित्व माना जाता है वह अपने माता-पिता का आदर करे, वृद्धावस्था में देखभाल करे, समय पड़ने पर अपने परिवार की आर्थिक सहायता भी करे।

(iv) पुरुष भाई के रूप में: घर में पुरुष की भूमिका एक भाई के रूप में भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। उसका अपने भाइयों तथा बहनों के प्रति विशेष कर्तव्य माना जाता पिता की अनुपस्थिति में उसकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती

— X —

July 2005

| Sun | Mon | Tue | Wed | Thu | Fri | Sat |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 | | | | | 1 | 2 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |
| 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |

Notes

समाज में पुरुष की भूमिका :- भारतीय समाज में पुरुषों की अहम भूमिका रही है। विकसित तथा अविकसित देशों में पुरुष अपने विशिष्ट कार्यों के द्वारा अग्रणी है। पुरुष समाज में निम्न भूमिका का वहन करता है :-

(i) परिवार के मुखिया के रूप में :- समाज में अर्थात घर के बाहर पुरुष की भूमिका परिवारों के मुखिया के रूप में होती है। परिवारों से ही समाज की स्थापना होती है। अतः समाज की एक इकाई के रूप में प्रत्येक परिवार को समाज में महत्व दिया जाता है और पुरुष को पितृसत्ता के कारण परिवार का मुखिया माना जाता तथा समाज में उसके नाम से ही परिवार को जाना तथा समझा जाता है इसलिए सामाजिक इकाई में पुरुषों को परिवार के मुखिया के रूप में महत्व दिया जाता है। धार्मिक कार्यों तथा सामाजिक कार्यों में भी उसे समाज के कार्यों में चन्दा, आदि देने के लिए भी विशेष महत्व दिया जाता है।

(ii) सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में :- पुरुष की समाज में पहचान केवल किसी परिवार के मुखिया के रूप में ही नहीं होती बल्कि समाज के सभी प्रकार के कार्यों में उसकी भागीदारी आवश्यक मानी जाती है। सामाजिक उत्सवों तथा धार्मिक उत्सवों में उसकी उपस्थिति महत्वपूर्ण मानी जाती है। समाज चूंकि व्यक्तियों से ही मिलकर बनता है, अतः समाज के क्रियाकलापों में पुरुष की सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भूमिका होती है।

(iii) राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में :- अपनी इच्छा तथा

P.T.O

29 mon

विचारधारा के कारण सभी पुरुष किसी-न-किसी राजनैतिक पार्टी से सम्बद्ध हो जाते हैं। इस प्रकार सभी पुरुषों को परिवार के मुखिया के रूप में तथा सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में और राजनैतिक व्यक्तित्व के रूप में महत्व दिया जाता है। पितृसत्तात्मक व्यवस्था के कारण परिवारों में राजनैतिक महत्व पुरुषों को ही प्राप्त होता है क्योंकि पुरुष की घर के बाहर समाज की क्रियाकलापों में भी भागीदारी होती है तथा परिवार उनके आदेश पर ही वोट देगा ऐसा समझा जाता है। अतः पुरुष की समाज में पहचान राजनैतिक व्यक्तित्व के रूप में भी की जाती है।

30 tue

(iv) आर्थिक व्यक्तित्व के रूप में तथा संसाधनों के नियन्त्रणकर्त्ता के रूप में :- समाज में पुरुषों की पहचान एक आर्थिक व्यक्तित्व के रूप में भी होती है। पुरुषों का आर्थिक संसाधनों पर पूर्ण नियन्त्रण होता है। धन सम्बन्धी निर्णय अधिकतर परिवार में पुरुषों के द्वारा ही लिये जाते हैं। समाज में किसी प्रकार के दान, चन्दा आदि प्राप्त करने के लिये पुरुषों को ही अपनी भूमिका निभानी पड़ती है।

31 wed

(v) विशेष स्वतन्त्रता प्राप्तकर्त्ता के रूप में :- समाज में पुरुषों को विशेष स्वतंत्रता प्राप्त होती है। इन्हें किसी से भी संबंध स्थापित करने की स्वतन्त्रता होती है। इनमें किसी भी प्रकार की नैतिकता नहीं सु[illegible] होती है। उनके ऊपर कोई बन्धन समाज नहीं लगाता है।

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से भारतीय समाज में नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करने में पुरुषों का विशेष योगदान रहा है। जैसे - महात्मा गांधी, गोपाल कृष्ण गोखले, सरदार वल्लभ भाई पटेल, आदि ने बड़ी भूमिकाएं निभायी। धार्मिक क्षेत्रों में पुरुषों का विशेष महत्व है जैसे- राम, कृष्ण, गौतम बुद्ध, मोहम्मद साहब, ईशा मसीह आदि।

July 2005

| Sun | Mon | Tue | Wed | Thu | Fri | Sat |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 | | | | | 1 | 2 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |
| 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |

Notes

Scanned with CamScanner